● सुनो, समझो और दोहराओ :

८. इनसे सीखो

-श्रीनाथ सिंह

जन्म : १९०१ **मृत्यु :** १९९६ **रचनाएँ :** नानी की संदूक, मक्खी की निगाह, शिशु, बालसखा आदि... **परिचय:** आपने 'सरस्वती' पत्रिका का संपादन किया है । दीदी और बालबोध जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन किया है ।

इस कविता में यह बताया है कि प्रकृति में पाई जाने वाली प्रत्येक वस्तु से कुछ-न-कुछ सीख मिलती है, जिसे ग्रहण करना आवश्यक है ।

अध्ययन कौशल

मधुमक्खी, कुत्ता, चींटी, गौरैया के चित्र बनाओ, इनमें से किसी एक पर चार काव्य पंक्तियाँ तैयार करो।

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना ।

फल से लदी डालियों से, नित सीखो शीश झुकाना ।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना ।

दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना ।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना ।

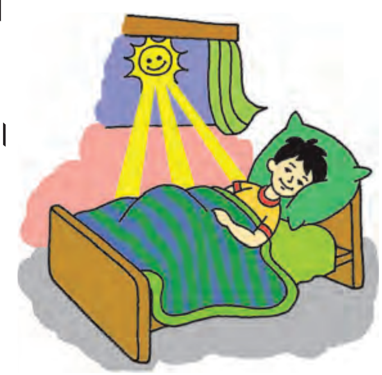

लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना ।

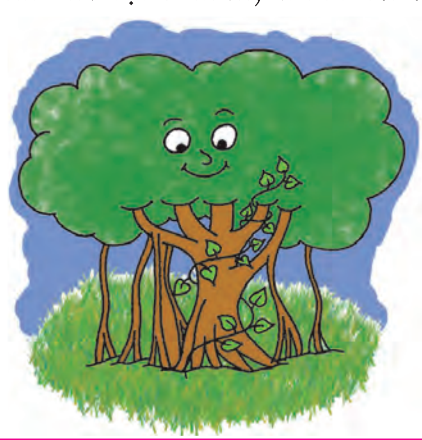

❑ कविता का लय-ताल हाव भाव सहित सस्वर पाठ कराएँ एवं दोहरवाएँ । कविता एकल, गुट में तथा सामूहिक गवाएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से कविता का आशय समझाएँ । प्रकृति के प्रत्येक घटक से कुछ-न-कुछ सीखने के भाव जागृत कराएँ ।

जरा सोचो तो ... लिखो

यदि रात ही न होती तो ......

वर्षा की बूँदों से सीखो, सबका हृदय जुड़ाना ।
मेहँदी से सीखो पिसकर भी, अपना रंग चढ़ाना ।
दीपक से सीखो, जितना हो सके अँधेरा हरना ।
पृथ्वी से सीखो, प्राणी की सच्ची सेवा करना ।
जलधारा से सीखो, आगे जीवन पथ में बढ़ना ।
और धुएँ से सीखो बच्चो, ऊँचे ही पर चढ़ना ।
सत्पुरुष के जीवन से, सीखो चरित्र निज गढ़ना ।
अपने गुरु से सीखो बच्चो, उत्तम विद्‌या पढ़ना ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
नित = नित्य, सदा
शीश = सिर
सत्पुरुष = सज्जन
निज = अपना
गढ़ना = बनाना
मुहावरे
शीश झुकाना = विनम्र होना

स्वयं अध्ययन

हवा, पानी, सूर्य की ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों की जानकारी इकट्‌ठा करो और लिखो ।

विचार मंथन

।। करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।।

सुनो तो जरा

चुटकुले, पहेलियाँ सुनो और किसी कार्यक्रम में सुनाओ ।

बताओ तो सही

अगर सारी दुनिया का कार्य सिर्फ दस मिनट के लिए थम जाए तो क्या होगा ?

वाचन जगत से

सूरदास का कोई एक पद पढ़ो और गाओ ।

मेरी कलम से

'दीपक' से संबंधित कविता लिखो ।

* कविता की निम्न पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो ।

१. फल से लदी डालियों से, नित सीखो शीश झुकाना ।
२. पृथ्वी से सीखो, प्राणी की सच्ची सेवा करना ।
३. लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना ।
४. अपने गुरु से सीखो बच्चो, उत्तम विद्‌या पढ़ना ।

खोजबीन

इंद्रधनुष कैसे बनता है? जानो और चित्र बनाओ ।

सदैव ध्यान में रखो

दूसरों के काम आना ही सच्ची मानवता है ।

भाषा की ओर

चित्रों को देखकर नीचे दिए गए संवाद में उचित विराम चिह्न लगाओ ।

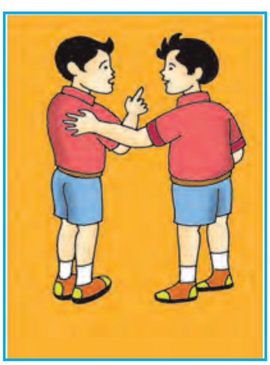

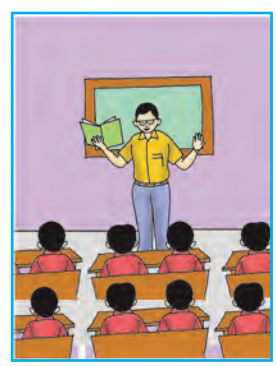

१) राजेश ☐ क्या तुम मेरी सहायता करोगे ☐

२) क्यों नहीं ☐ अरे ☐ तुम मेरे मित्र हो ☐

३) हाँ ☐ मुझे पता है ☐ परंतु तुम्हारा प्रकल्प कार्य भी तो तुम्हें पूरा करना है ☐

४) ☐ जहाँ चाह वहाँ राह ☐ आज ही तो हमने पढ़ा ☐

५) माँ भी कहती हैं ☐ नियमित अभ्यास से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है ☐

६) गुरु जी ☐ हमें परीक्षा के परिणाम कब मिलने वाले हैं ☐